



Principal, Jawahar Vidya Mandir, Ranchi encouraging a Student in Planting a Sapling during the Tree Plantation drive organised by the School

India Water Portal at Interactive Platform on Water Management

The India Water Portal (www.indiawaterportal.org) is an open, inclusive, web-based platform for sharing water-management knowledge amongst practitioners and the general public. It aims to draw on the storehouse of traditional and modern practices, use technology tools like GIS and multimedia to add further value to it and then disseminate it to a larger audience through the internet.

The Water portal is a collaborative effort with participation from many, many partners, who are too numerous to mention here. We express our gratitude to all of them for helping this public service effort.

The Kids' Section of the Portal has puzzles, quizzes, stories, games and activity ideas related to water. It also has a section for teachers, which mentions activities that teachers could facilitate and projects carried out by children in various parts of the country. Portal is planning to increase the profile of this

section by creating more teaching aids, plays, songs, presentations, and projects.

Environmental Sandly Activities Alok Sansthan, (Rajasthan)

The students have also worked on projects- water eutrofication, water conservation, water sampling etc., water tank has been constructed on the terrace of the school to promote idea of water harvesting among masses through the most effective tool of education to channelize the families through individuals. Our Eco-Club also encourages tree plantation by distributing small shrubs to the students to plant them outside their house, to water & take care of it regularly. The follow-up of this drive is also recorded by the teachers-incharge. This programme is called 'Vruksh-Mitra Yojana' (befriend-the plants).

Our Eco-Club has been a leader with a series of achievements at state, district & national level. Director of the club has been acknowledged as the president of 'Aravali Parayavaran & Jheel Sanrakshan Mahasangh, Udaipur' & President of 'Citizen society of Environment Awareness'.



Members of the Eco Club of Alok Sr. Sec. School at the launch of the Vruksh-mitra yojana

ACADEMIC UPDATE

Induction Programme for Principals at Rani Laxmi Bai Memorial Senior Sec. School, (Lucknow)

CBSE organized Induction programme for the Principals of newly affiliated schools at **Rani Laxmi Bai Memorial Senior Secondary School**, Sec-14 Indira Nagar, Lucknow on 21st and 22nd August 2009.

Inaugurating the programme Shri Vineet Joshi, Chairman CBSE, acquainted the Principals with the organization and functioning of CBSE. He emphasised that



Shri Vineet Joshi, CM, CBSE addressing the principals in an Induction Programme at Lucknow. Shri Ashok Ganguly, EX CM, CBSE can also be seen sitting beside Vineet Joshi

a child grows in a complex social setup involving family, peers, school, and society etc. Education therefore must endeavor to develop such qualities in children which enable them to adjust in changing environment.

With the breaking of national barriers, the child is made to withstand global cultural currents and international influx of technological advancement. The world is changing and to survive we all have to change. Instead of waiting for the change and grudgingly accepting it, we have to anticipate change to face it intelligently.

Shri Joshi apprised Principals of the changes CBSE has already brought about and also hinted about some of the forthcoming changes. Talking about Science and Mathematics he highlighted the utility of practicals and projects in elaborating the theoretical principles, and while discussing language teaching, he laid emphasis on communicative skills. Chairman CBSE urged principals present to actively participate in CBSE programmes, competitions and tournaments and to imbibe the philosophy of Sahodaya concept.

Shri Joshi also threw light on aims of education and stressed its knowledge aspect however, he added that knowledge without



skills, life skills, language skills and work skills will remain incomplete.

Shri Ashok Ganguly, Ex Chairman CBSE, laid emphasis on leadership qualities in Principals directly involved in the process of educational transformation. Shri Rajbir Singh Regional Officer CBSE, Allahabad Region, informed the Principals the activities CBSE has planned for the session. He displayed and discussed the manual and booklets CBSE has so far brought about.

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, दिल्ली हिंदी पखवाड़ा का आयोजन - एक रिपोर्ट

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, दिल्ली में हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में दिनांक 01.09.2009 से 15.09.2009 तक हिंदी पखवाड़े का आयोजन किया गया। 14 सितम्बर, 2009 को हिंदी दिवस के अवसर पर अधिक से अधिक सरकारी कामकाज हिंदी में करने के लिए श्री विनीत जोशी, अध्यक्ष केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की ओर से अधिकारियों/ कर्मचारियों के लिए एक अपील जारी की गई। हिंदी पखवाड़े के दौरान हिंदी निबंध लेखन, हिंदी टंकण, हिंदी वाद-विवाद, हिंदी कविता पाठ, हिंदी टिप्पण/प्रारूप लेखन तथा हिंदी सुलेख व श्रुतलेख आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं में बोर्ड कार्यालय के कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

दिनांक 16.09.2009 को हिंदी पखवाड़ा समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्री धर्म सिंह, हिंदी अधिकारी ने बोर्ड मुख्यालय में राजभाषा नीति के कार्यान्वयन की दिशा में हुई प्रगति पर एक संक्षिप्त रिपोर्ट प्रस्तुत की। समारोह के अध्यक्ष श्री शशि भूषण, विभागाध्यक्ष (एड्यूसेट) केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने उक्त प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान पाने वाले प्रतिभागियों को

क्रमशः ₹01000/-, ₹0800/- तथा ₹0600/- के नकद पुरस्कार तथा प्रशस्ति पत्र प्रदान किए।

अपने अध्यक्षीय संबोधन में श्री शशि भूषण, विभागाध्यक्ष (एड्यूसेट) केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतिभागियों को बधाई दी तथा उन प्रतिभागियों का भी उत्साहवर्धन किया जो पुरस्कार प्राप्त नहीं कर सके। उन्होंने बताया कि हिंदी पखवाड़ा के दौरान प्रतियोगिताओं में भाग लेना ही राजभाषा हिंदी के प्रति सम्मान प्रकट करना है। इन प्रतियोगिताओं में अधिक से अधिक सहभागिता होनी चाहिए। इसके अलावा हमें दिन-प्रतिदिन के सरकारी काम-काज में अधिक से अधिक हिंदी का प्रयोग करना चाहिए। हमें हिंदी पत्रों का उत्तर हिंदी में देने के साथ-साथ अंग्रेजी पत्रों का उत्तर भी हिंदी में देना चाहिए तभी हम निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने में सक्षम होंगे। उन्होंने एक बार फिर हिंदी प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतिभागियों को बधाई दी तथा समारोह में उपस्थित होने के लिए अधिकारियों तथा कर्मचारियों का धन्यवाद किया।

समारोह के अंत में श्री मनोज कुमार श्रीवास्तव, सहायक सचिव(प्रशासन-1) ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। उन्होंने प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतिभागियों को बधाई दी तथा अपना कीमती समय निकाल कर समारोह की अध्यक्षता करने के लिए विभागाध्यक्ष(एड्यूसेट) केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड को हार्दिक धन्यवाद दिया। समारोह में उपस्थित विभागाध्यक्षों सहित उन सभी अधिकारियों तथा कर्मचारियों का धन्यवाद किया जिन्होंने समारोह में उपस्थित हो कर विजेता प्रतिभागियों का मनोबल बढ़ाया। इसी के साथ समारोह का समापन हो गया।

इस अवसर पर अध्यक्ष महोदय ने हिंदी के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए सभी अधिकारियों व कर्मचारियों से एक अपील जारी की।

अपील

हमारे देश में भाषायी दृष्टि से अनेक समृद्ध भाषाएं हैं। हिंदी एक मात्र ऐसी भाषा है जो कि सबसे ज्यादा



श्री महेश चन्द शर्मा, परीक्षा नियंत्रक, श्री शशि भुषण, विभागाध्यक्ष, एडयूसैट, श्रीमती चित्र लेखा गुरुमूर्ति, निदेशक (शैक्षिक) व अन्य अधिकारीगण हिन्दी पखवाड़ा समारोह के अवसर पर प्रतियोगियों का प्रोत्साहन करते हुए

बोली एवं समझी जाती है। इसीलिए हिन्दी को राजभाषा का दर्जा प्राप्त है।

14 सितम्बर 1949 को संविधान सभा ने हिन्दी को राजभाषा के रूप में स्वीकार किया था। इसीलिए हर वर्ष हम 14 सितम्बर को हिन्दी दिवस के रूप में मनाते हैं। इस अवसर पर केन्द्रीय सरकार के कार्यालयों, स्वायत्त निकायों/सार्वजनिक उपक्रमों/कम्पनियों/बैंकों आदि में हिन्दी सप्ताह/हिन्दी पखवाड़ा मनाया जाता है। इस बात में कोई शक नहीं है कि आज हिन्दी भाषा का ग्राफ बढ़ रहा है तथा यह विश्व में दूसरी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा बन गई है। जिससे स्वयं ही इसकी महत्ता का पता चलता है।

राजभाषा हिन्दी विकास के पथ पर अग्रसर है। इसकी प्रगति में सरकारी और गैर सरकारी संगठनों/संस्थाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। यह निःसंदेह राष्ट्रीय गौरव तथा स्वाभिमान का विषय है कि हिन्दी का अल्प ज्ञान रखने वाले अधिकारी/कर्मचारी भी अपना सरकारी काम-काज हिन्दी में करने के लिए दृढ़ संकल्प हैं।

सरकारी काम-काज में हिन्दी का अधिकाधिक प्रयोग को प्रोत्साहित करने हेतु अनेक पुरस्कार योजनाएं हैं जो हिन्दी की प्रगति में विशेष योगदान कर रही हैं। किसी भी भाषा का पूर्ण विकास तभी संभव है जब उसका अधिकाधिक प्रयोग किया जाए और अधिकाधिक प्रयोग तभी संभव है जब हम उसका आदर करें, उसे स्वीकारें तथा उसके साहित्य के प्रति हमारी रुचि हो।

राजभाषा अधिनियम तथा भारतीय संविधान की भाषा संबंधी मूल भावनाओं के प्रति निष्ठा व आदर प्रकट करते हुए हम सबका यह परम कर्तव्य हो जाता है कि हम यथासंभव हिन्दी में ही कार्य करें। यह यथार्थ है कि हम अपने मन्तव्य को सरल और स्पष्ट रूप से अपनी भाषा में आसानी से प्रस्तुत कर सकते हैं और इसमें किसी प्रकार की दुविधा या द्विअर्थता की संभावना भी नहीं होती है। प्रायः यह देखा जाता है कि हिन्दी का पर्याप्त ज्ञान होते हुए भी हम उसका सरकारी काम-काज में प्रयोग करने में हिचकिचाते हैं। हमें राजभाषा का प्रयोग करते हुए गर्व महसूस करना चाहिए इसमें कोई संदेह नहीं कि हिन्दी भाषा हमारी पारम्परिक संस्कृति तथा ज्ञान की अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम है।

पिछले कुछ वर्षों में केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने सरकारी काम-काज में हिन्दी के प्रयोग की दिशा में सराहनीय उपलब्धि हासिल की है तथापि हमें इसमें निरन्तर प्रयासरत रहने की आवश्यकता है। अतः हिन्दी दिवस के अवसर पर बोर्ड मुख्यालय एवं इसके क्षेत्रीय कार्यालयों में तैनात सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से अनुरोध करता हूं कि वे अपना अधिकाधिक कार्यालयी काम-काज हिन्दी में करें और सरकार ने जो लक्ष्य निर्धारित किए हैं उन्हें प्राप्त करने का हर संभव प्रयास करें।

Orientation Programme for Teachers on Informatics Practices At Mayoor School, Ajmer

A teacher's orientation program on revised syllabus of Informatics Practices, conducted by C.B.S.E. was hosted by **Mayoor School, Ajmer** on 9th and 10th October' 09. The chief guest Dr. Neeraj Bhargava, HOD, Computer Department, M.D.S. University, Ajmer inaugurated the workshop. He spoke about the Free and Open Source Software (FOSS) and appreciated C.B.S.E.'s initiative to



Participants at Induction Programme on Informatics Practices organised by the Board at Mayoora School, Ajmer

include FOSS as a part of +2 syllabus. This was followed by an ice-breaking session where 35 teachers gathered from all over Rajasthan introduced themselves.

Mr. Deepak Bhargava, I.T. Co-ordinator, Mayoora Sd school, Ajmer and Mr. Durgesh Singh, H.O.D., Sophia Girl's School, Kota discussed the revised syllabus of IP and FOSS. A demonstration was given by Mr. Pawan Yadav on installation of the software. Mr. N.K. Sahoo, Sagar School, Alwar and Mr. Durgesh Singh introduced Java programming through NetBeans followed by hands on session by the teachers.

The workshop concluded with a Question Answer Session where the various queries were satisfactorily dealt with.

Mr. Pramod kumar TK, Assistant education officer C.B.S.E., Ajmer thanked all the participants for their active participation throughout the two day workshop. Mr. Neeraj K. Bedhotiya, Principal, Mayoora School, Ajmer gave away the certificates of participation to all the teachers and emphasized the importance of FOSS in breaking the monopoly of proprietary software

and appreciated C.B.S.E.'s genuine efforts towards this.

16th National Annual Conference 2009 of CBSE Sahodaya School Complexes

The 16th National Annual Conference 2009 of **CBSE Sahodaya School Complexes** was organized from December 9, 2009 to December 11, 2009 by CBSE in collaboration with Sahodaya School Complexes, Gurgaon Chapter. The theme of the Conference was **'Rethinking School Reforms – Opportunities and Challenges'**

The Conference was inaugurated by **Smt. D. Purandeswari, Hon'ble Minister of State, Ministry of Human Resource Development, Govt. of India** and was graced by **Sh. Subhash C Khuntia, Joint Secretary Govt. of India, Ministry of HRD, Department of School Education and Literacy, New Delhi, Mr. Vineet Joshi, Chairman/Secretary – CBSE** and other distinguished dignitaries from the Board.



Smt. D. Purandeswari, Hon'ble Minister of State, Ministry of Human Resource Development, Govt. of India inaugurating the 16th National Conference of Sahodaya School Complexes, Sh. Subhash C Khuntia, JS. Govt. of India and Mr. Vineet Joshi, Chairman, CBSE can also be seen in the picture



The 16th National Annual Conference of CBSE Sahodaya School Complexes commenced on 9th December 2009. In the welcome address **Dr. Indu Khetarpal**, the Conference Convener and Principal of Salwan Public School, Gurgaon extended her warmest greetings to all present and briefed them about the Conference as to what is to come on the successive two days. She then invited **Prof. M. S. Ananth** to address the gathering and enlighten them on ***"Policy Reforms"***.

A short film on CCE and CBSE was shown, where the importance of holistic development of the children was emphasized upon and how classroom teaching and learning can become enjoyable and stress free.

In his address to the august gathering, Prof. M. S. Ananth, Director, IIT, Chennai, spoke on the policy reforms of the CBSE. He said *"education is as old as civilization itself. It is perhaps the single most difference between man and animal". He further added, 'a person's education consists of 4 parts: one fourth from the teacher, one fourth from peers, one fourth from self study and the last quarter from life'.*

On December 10, 2009, the 2nd day of the Conference **Mrs. Chitralekha Gurumurthy**, Director (Academic), CBSE was the moderator for the 1st Session **'Reforms in Student Evaluation with Special Emphasis on Continuous Comprehensive Evaluation (CCE)**. In her address, Mrs. Gurumurthy said that in the post Independence era, what we had were mass produced products like nuts and bolts, soaps etc. Education has become an industry and we have ended up producing human machines by stereotyping education. The panelists – **Ms. Ameeta Mulla Wattal, Springdales, Pusa Road, New Delhi, Ms.**

Avnita Bir, Ramniranjan Podar Sr. Sec. School, Mumbai, Ms. Nina Saigal, Delhi Public School, Noida & Dr. Indu Khetarpal, Salwan Public School, Gurgaon spoke on **'CCE and Life Skills', 'Embedding Technology in Assessment', and 'Holistic Learning'**. **Mrs. Gurumurthy** rounded up the session by stating *that we should learn to integrate India into the classrooms and CCE be used by students as well as teachers meaningfully.*

The Post Lunch session commenced with an address by **Dr. Latha Pillai, Pro Vice Chancellor, IGNOU** on **Quality Assessment**. Quality assessment, sustenance and promotion have occupied center stage in education, during the past two decades. Developing nations are grappling with issues of providing universal Primary Education and making secondary education a fundamental right, a number of basic issues pertaining to student experience necessitates a mechanism for assessment and accreditation. She gave seven guiding principles to ensure quality assessment i.e. *Mission Vision, curriculum, Teaching Learning Process, Examination and Evaluation, Infrastructure and Support Services, Governance and Leadership and the Best Practices.*

Prof. S. Prabhakar Kamath spoke on **Reforms in School Governance** with a number of questions to the audience, "Are we in a Business of education or is Education a business? Do we need to be governed? Is Governance our belief or does our conduct manifest our belief?" Through the presentation he showcased that Governance is characterized by the principles of participation, where all men and women have voice in decision making; transparency of policy making

institutions by ensuring information at public domain, responsiveness of institutions and processes in serving all; accountability of the public and private institutions to the citizens; effectiveness and efficiency in optimum use of resources; consensus in mediating the different needs to meet the best interests of all groups; and with a long term vision on human development rule of law.

On the arrival of the Chief Guest a melodious rendition of shlokas accompanied by a well orchestrated and coordinated Saraswati Vandana was presented by the students. The lilting notes of the CCE song and the synchronized dance movements were really a feast for the ears as well as the eyes of all.



Honourable D. Purandeshwari Devi, MOS with Shri Vineet Joshi, CM, CBSE expressing satisfaction at the launch of the CCE scheme

Sh. Subhash C Khuntia, Joint Secretary Govt. of India, Ministry of Human Resource Development, Department of School Education and Literacy, New Delhi in his address to the august gathering, opined that *we need to improve the quality of our education today*. He thanked Smt. Purandeshwari, Chief Guest for the occasion, for her exceptional support in her role as Hon'ble Minister of State. He also thanked Mr. Kapil Sibal for initiating the reforms and bringing in a sea change in the

way we perceive education and educational mores today.

The keynote address by **Smt. D. Purandeshwari, Hon'ble Minister of State, Ministry of Human Resource Development, Govt. of India** was illuminating and enlightening. She said *that reforms in the education sector must respond to the changing scenario. India is at the verge of being a developed nation and in fact, President Barack Obama of USA had also said not so long ago that India has the best education system in the world. Education is not only to fill child's mind with irrelevant information, but it is a co-relation of facts. She quoted Swami Vivekanand and said that education is the panacea of all evils. Real education needs holistic development of every child and teachers must go beyond the boundaries of books and teach life to children by inculcating out of the box thinking amongst students.*

Expressing his vote of thanks, **Mr. D. R. Yadava, Regional Officer, CBSE, Panchkula**, who joined CBSE in 1991, appreciated the Hon'ble Minister for her words spoken straight from the heart speaking as a concerned parent, a teacher and indeed as a concerned citizen of India. Thanking Sh. Subhash Khuntia who had apprised all present with the latest policies and he assured that CBSE will put in its best to cooperate. He thanked Chairman, CBSE Sh. Vineet Joshi for giving Sahodaya Panchkula this chance to organize the 16th National Annual Conference, albeit at very, very short notice. He also appreciated the efforts of the press, but cautioned them regarding putting in their best by giving constructive and positive criticism.

Touching upon the topic of the day, i.e. Continuous and Comprehensive Evaluation (CCE), **Mr. Vineet Joshi, Chairman, CBSE**



stated that the term continuous in CCE refers to periodicity and regularity in assessment. The main challenges before educationists today are to develop shared employment profiles, to incorporate knowledge, behaviour, skills into education.

The proceedings of the 3rd day began with a warm welcome being extended to all by the Conference Convener Dr. (Mrs.) Indu Khetarpal, who also informed all present that in view of the interest in CCE being shown by the delegates, Chairman, CBSE Mr. Vineet Joshi would be addressing their queries.

The first speaker of the day, **Prof. Marmar Mukhopadhyay, Director, Educational Technology and Management Academy (ETMA), New Delhi** spoke on “School Education for all Children with Quality”. Then he gave a deeply insightful discourse on Schools as Learning Communities, where he said school education has to be re-designed to nurture skills of thinking at higher levels to lay the foundation for unfolding the genius hidden in children. We need to blend learning tactics and adopt blended learning design.

An informative lecture by **Mr. J. C. Kapur, Professor (Retd.) Indian Institute of Planning and Administration (IIPA) on the role of ICT in School Governance**. Speaking in the direction, he said that good school governance enabled with ICT is about good service-delivery systems, it is student-centric, it is transparent, it is participative. A pre-requisite for good governance is that it has to be demand driven.

Dr. Nagpal's topic was “Holistic Assessment for the Learner – Empowering Teachers”. He added that the basic concern remains that of promoting healthy growth of the body, encouraging development of intellect and

aesthetic abilities, enhancing development of socially desirable qualities. Continuing further, he added ‘we need to look at the holistic assessment of a learner which also includes co-scholastic area of life skills, attitudes and values, sports and games as well as co-curricular activities’.

Maharaj ji commenced his address by giving a few beautiful anecdotes about a beggar and his bowl that could not be filled by a king because that bowl was made of the human heart and you can never ever fill up the human heart. Goswamiji quoted that we need to create not an educative but a learned society. Education is not merely a matter of training the mind. To find out what is right education; we will have to enquire into the whole significance of living.

Mr. G. Balasubramanian, Former Director, CBSE, New Delhi began with recalling the words of Swami Vivekananda “Education is the manifestation of the perfection already in man. Every child is unique. Every learner has certain inherent latent talents to be revealed to be communicated. The objective is to project the learner as a part of the learning community with an objective projection of the positive domains of the learner-academics, emotional and social.

Speaking the same direction, **Dr. Pooja Lakhanpal, Associate Professor at the Indian Institute of Fashion Technology (IIFT)** came next. She said that today's scenario, visioning, risk taking recognition and encouragement and of course, leadership styles are important for a leader to achieve success. Parents play an important role in creating a positive culture within the school community.

Ms. Mona Shipley invited **Mr. Vivek Kohli, Associate Professor, Ram Lal College, New Delhi** to the proceedings further. Through activities, Mr. Kohli apprised all about **Physical**

Education Card (PEC) and the vital role that sports play in our curriculum.

Chief Guest for the closing Ceremony was **Prof. D. V. Sharma, General Secretary Council of Board of School Education in India (COBSE)** he was joined on the stage by **Chairman, CBSE Mr. Vineet Joshi, Director Academics CBSE Dr. Sadhana Parashar, Dr. Indu Khetarpal, Convener Conference and Mrs. Nirmal Yadav, Conference Secretary.**

In his address to the august gathering of Principals, **Chairman CBSE Mr. Vineet Joshi** appreciated the efforts of Gurgaon Sahodaya which has been instrumental in holding so many Principals back for the valedictory session.



Member Principals of the Gurgaon Sahodaya Complex

Dr. Sadhana Parashar, Education Office (L), CBSE appreciated the efforts of the Gurgaon Sahodaya in putting together the DVD of the complete Conference, which was released immediately and would be available to all present. Regarding the various questions that had been put forth by the Principals, she responded to their questions and queries.

Summing up, Mr. D. V. Sharma said that the biggest challenges before CBSE have also

been the heterogeneity of schools from across the cross section of India.

A set of paintings—an amalgam of Tradition and Technology by **Mr. Sudhir Jaiswal of DAV Public School, Gurgaon,** and **Mr. Krishan from Blue Bells Group of Schools** regarding their perceptions of the CCE Conference were also presented to Hon'ble Chairman CBSE. A narrative poem titled **POEMFERENCE** on the Conference was composed by **Mrs. Anju Joshi, Mrs. Shoma Lahiri and Mrs. Anita Bawa** jointly narrating all that had happened on and off stage during the Conference was read out. **Mr. Manish Ravi** from DAV School presented his photographic impressions of the Conference to the Chairman.

To sum up, the recommendations of the 16th National Annual Sahodaya Conference was read out.

CD of the proceedings of the Conference was released by the Hon'ble Chief Guest of the closing Ceremony, **Prof. D. V. Sharma.** In his address Prof. Sharma said that *CBSE strengthens the Sahodayas and thereby the schools. It is a symbiotic relationship and Sahodayas strengthen CBSE and its working.*

Vote of thanks was read out by **Mrs. Nirmal Yadav,** Conference Secretary and Principal Colonel's Central Academic, Gurgaon. She said that let us go back and resolve that we will make that one difference.

CBSE National Level Science Exhibition-2009

The Board organized Regional Level Science Exhibitions at Thirteen Venues in different parts of the country in the month of August, 2009. The Main theme of this year's Science Exhibition was **"Science and**



Smt. Anshu Vaish, Secy. Department of Secondary Education and Literacy, MHRD presenting an award to a differently abled child
Sh. Vineet Joshi, CM, CBSE can also be seen encouraging the child

Technology for Global Sustainability'. About 1000 schools from all across the country and overseas participated in these exhibitions.

The sub-themes of the exhibition were:

- **Agriculture and Food Security**
- **Harnessing Energy**
- **Conservation of Natural Resources**
- **Combating climate changes**
- **Disaster Management**
- **Mathematical modelling**

The National Level Science Exhibition was held on **22nd-23rd October, 2009** at **Bal Bharati Public School, Pitampura,**

Delhi. Hon'ble Minister of Human Resource Development, Govt. of India, Shri Kapil Sibal inaugurated the exhibition and appreciated the creative work done by the students. Shri Sibal also highlighted the role of Science Education in arousing curiosity and promoting creativity in the school going young minds through the organization of such activities and events. 178 CBSE affiliated schools selected at the regional level exhibitions, from all across the country and overseas participated in the mega event. Large number of Science teachers and school children from nearby schools in Delhi visited the exhibition during the two days. The exhibits were evaluated by a team of eminent subject experts on the basis of pre-decided parameters.

Secretary (School Education and Literacy), MHRD, Govt. of India, **Smt. Anshu Vaish**, gave away the cash award of Rs.3000/- and certificate of merit to each of the best twenty exhibits. While speaking on the occasion of valediction, she appreciated the interest and efforts of participating teams and wished them all success in further endeavours. **Shri Vineet Joshi**, Chairman CBSE highlighted the recent initiatives of the Board in promoting science education and congratulated the winners for their commitment and efforts.

Continuous and Comprehensive evaluation places a lot of demand on teachers' time and ability to maintain meticulous records if it is to be meaningfully executed and if it is to have any reliability as an assessment.

-NCF 2005

Stake Holders Survey on Examination Reforms

In wake of the announcement by Hon'ble Minister of HRD regarding examination reforms in secondary education, a survey was undertaken by CBSE in 06 centres Guwahati, Chennai, Thiruvananthapuram, Panchkula, Indore and Lucknow from 24th July to 26th August, 2009 to assess the mood and opinion of the stake holders in secondary education i.e. students, parents, teachers, principals and educationists. Separate sessions with principals, students, teachers and parents were held to assess their reaction regarding the position of examinations. Most stakeholders were of the view that examinations should not be made optional. However Continuous and Comprehensive evaluation scheme in its strengthened form should be introduced.

Summary of findings of the survey

9928 stakeholders including Principals, Teachers, Students and Parents were surveyed. Major response of each category is as under

Parents

Child's Examination Strain, Parent's seclusion, Parental strain, Ineffective pedagogy, Child's performance anxiety, Eustress, Apprehension about child's admission, result obsession.

Principals

Student's Examination Strain, Ineffective Teaching Pedagogy, Eustress, Result obsession, Assessment and anxiety, poor coping skills, Worries about Future of students, Worries about School's Image, concern for extra curricular activities.

Students

Examination Strain, Seclusion, Eustress, performance anxiety, Apprehensions about admission, Ineffective Pedagogy, Alternative assessment, Result obsession.

Teachers

Examination Strain, Seclusion, result obsession, teacher's strain, learning impediment, performance anxiety, assessment and admission apprehensions, low self esteem, alternative pedagogy.

Summary of findings by SMS Survey

About 8750 responses were received. Of the SMS responses with reference to the above question;-

- **61% said that they will have more time for conceptual clarity and learning experience**
- **68% said that they will have less stress and will be mentally healthier**
- **53% said that they will find it equally useful if there is a well conducted school examination.**

TRAINING WORKSHOPS ON CONTINUOUS AND COMPREHENSIVE EVALUATION SCHEME:

The CBSE has about 11,600 schools affiliated to it. These include various kinds of



schools such as Government schools, Govt. aided schools, Kendriya Vidyalaya Sangathan, Navodaya Vidyalaya Sangathan and other independent schools. Therefore, the training of all the schools is being done by using the Cascade Approach:

- Creation of Master Trainers
- The Master Trainers will then train one principal and two teachers of each school in a six hours training module.

The Objectives of workshops are:

- To advocate among principals and teachers regarding the Class X examination in March 2010 and the grading system being followed.
- To create awareness regarding the School Based Assessment and CCE Scheme being introduced for Class IX from the current year.
- To create awareness about the Formative and Summative Assessments under the CCE.
- To share the blue print and the mode of Summative Assessment for Class IX in March 2010.
- To create awareness regarding using Tools and Techniques of Assessment for filling in the CCE Card.
- To address concerns regarding assessing the students in Co-Scholastic Skills.
- To address school specific issues in implementing the CCE scheme.

Master Trainers' workshops have already been held for the following:

S.No	Master Trainers for	Dates	No. of Master Trainers
1	Private Schools	06 Oct'09	119
2	NVS	12 & 19 Oct'09	80
3	DAV	26 Oct'09	39
4	Directorate of Education, Delhi	23,26,27 & 28 Oct'09	108
5	Bhartiya Vidya Bhawan	13 Oct'09	11
6	Directorate of Education, Sikkim	18 & 19 Nov.09	418
7.	Kendriya Vidyalaya Sangathan, Mumbai	12 Nov.09	45
8.	Directorate of Education Arunachal Pradesh	2 & 3 Dec.09	180
9.	Kendriya Vidyalaya Sangathan, Mysore	7 Dec.,2009	45

STAKEHOLDERS PROGRAMMES AND CCE TRAININGS IN PICTURES





Advocacy & Training of Principals and Teachers already conducted:

S. No	Regional Office	States Covered	No. of Schools Covered	No. of Participants Covered
1	Allahabad	UP	899	2263
		Uttaranchal	203	554
2	Ajmer	Gujarat	106	282
		MP	352	918
		Rajasthan	300	789
3	Bhubaneswar	Chhattisgarh	88	244
		Orissa	125	309
		WB	95	216
4	Chennai	Tamil Nadu	161	442
		Kerala	812	2263
		AP	198	478
		Karnataka	209	528
		Maharashtra	181	404
5	Delhi	Delhi	768	1874
6	Panchkula	Haryana	921	2268
		Chandigarh	90	270
		Punjab	400	1027
		J&K	45	114
		HP	134	317
7	Patna	Jharkhand	199	525
		Bihar	189	530
8	Guwahati	Assam	76	174
Total			6551	16789



- To motivate teachers to participate in the exercise of preparing Question Banks.

Feedback of training workshops

- A questionnaire to collect the feedback of participants was developed. Analysis of the feedback is given below:
- 87.27 % of respondents said that the session has enabled them to understand the concept of CCE.
- 90.48 % of respondents said that they think that the importance given to co-scholastic learning areas is appropriate.
- 85.87%, 89.22 %, 62.31 %, and 64.20 % of respondents feel that they are confident of conducting training sessions with Parents, Teachers of their school, Principals and teachers of other schools respectively.

Following materials has been developed by the CBSE to implement CCE scheme

- Teacher's Manual for Continuous and Comprehensive Evaluation in class IX & X
- Flyer on Continuous and Comprehensive Evaluation
- A School Based Assessment Certificate on Continuous and Comprehensive Evaluation
- Model Report Card for Class IX
- Frequently Asked Questions on Continuous and Comprehensive Evaluation
- Life Skills in the context of Continuous and Comprehensive Evaluation
- Song – 'Naya Aagaz' on Continuous and Comprehensive Evaluation
- A movie on Continuous and Comprehensive Evaluation
- Trainers' Manual to train the principals and teachers on Continuous and Comprehensive Evaluation
- PowerPoint Presentation on Continuous and Comprehensive Evaluation
- Circular and Advisory to schools
- Sample Question Papers in the new format
- Updating and strengthening of CBSE website by providing CCE corner
- Feature of Interact with Chairman on the CBSE website.
- Teacher training workshops held across the country.

SPORTS ARENA

CBSE National Athletic Meet 2009 at Ryan International School, Jaipur

The **Ryan International School, Jaipur** organised CBSE national Athletics meet 2009-10 at Swai Man Singh stadium from 20th Dec. to 24th Dec.2009. The event hosted around



A participants taking part in Long Jump Event at CBSE National Athletic Meet, 2009 at Ryan International School, Jaipur

3000 athletes from the country and 500 athletes from Gulf countries who participated in 14 disciplines including events like : races, relays ,long jump, high jump, triple jump, shot put, discus throw and javelin throw.

It doesn't matter who won or lost ultimately the winner is human spirit. The series of events of the meet concluded with the Prize Distribution ceremony.

The Labour India Public School& Junior college, Kerala made their state feel proud by winning the championship trophy followed by SBOA , Chennai as the runner up. he Birla School, Pilani grabbed the third position.

The CBSE National Level Taekwondo Championship -2009 Held at Columbia Convent, Indore

The CBSE National Taekwondo



Winners of the CBSE National Level Taekwondo Championship-2009 at Columbia Convent, Indore

Championship was held at **Columbia Convent, Indore** from 1st to 4th Nov., 2009. North-I, North-II, East, West and South Zone schools participated in the championship. 180 schools from all the five zones took part in the competition. National Level Taekwondo Championship was being organized for the first time in Indore.

440 players from all over India were present for the championship and the lodging and boarding for the players and coaches was arranged in the school itself.

In Under-19, Hansraj School from Delhi won the Championship Trophy and Columbia Convent was the Runner-up. In Under-14, Columbia Convent won the Championship Trophy and S.S.J.G School from Sirsa took the Runner-up Trophy.

CBSE Kho-Kho Tournament Cluster IV at Jeevandeep Public School, Varanasi

Jeevandeep Public School, Varanasi hosted the CBSE Inter School Cluster IV Kho-Kho competition from 24th Sep to 26th Sep 09. 33 Schools are participated in the three day sports gala. The inaugural day was presided over by the former Hockey Olympic player Padma Shree Mohd. Shaheed. The first match of the day was played between Faizabad Public School, Faizabad and Shah Faiz Public School, Ghazipur. DAV Public School, Patna in which DAV Public School Patna emerged as the champion in the Boys Category. In the girls category Harmilap Mission School, Kanpur stood first.



Teams participating in Cluster Level CBSE Kho-Kho Tournament at Jeevandeep Public School, Varanasi

The CBSE Inter School National Foot-Ball Competition 2009-10 at JP Academy Meerut

JP Academy, Meerut conducted CBSE Inter School National Tournament for Boys. 33 teams participated in it. Out of these 33 teams, five were from foreign countries i.e Doha(Qatar), Kuwait, Dubai, Muscat and UAE. The opening ceremony was conducted on 07th Nov 09.

In all, 60 matches were played. The final was played on 11th Nov 09 at 02:00PM in School ground. The two teams which



Shri MC Sharma, Controller of Examination, CBSE, presenting a Trophy to Captain of the Winner Team at the National Foot ball Competition at JP Academy, Meerut



reached the Finals were the Bokaro ISPAT Sr. Sec. School, XI/D, Bokaro, (Jharkhand), and Central School for Tibetans, Mundgod, Karwar Distt, (Karnataka). After a Thrilling Match, Bokaro ISPAT Sr. Sec. School, XI/D, Bokaro, (Jharkhand), emerged the winners by 2-0.

The distinguished guest for the Closing Ceremony was Shri M.C. Sharma, Controller of Examination CBSE. The Chief Guest addressed all and congratulated the winners as well as all the participating teams.

GAMBIT – 2009 CBSE North Zone I Chess Championship

K.R. Mangalam World School Vikaspuri declared open the CBSE North Zone I Chess Championship on the 24 September in the school premises. About sixty schools participated making up 94 teams. In total 150 girls and 350 boys came from the northern region including J&K, Haryana, Punjab, Himachal Pradesh and Chandigarh. Smt. Chitralekha Gurumurthy, Director (Academics)



Smt. C. Gurumurthy at K.R. Mangalam World School on the Inaugural Day of CBSE North Zone Chess Championship

CBSE was the Chief Guest. She mentioned an interesting historical fact that chess was invented in India by a Brahmin in the fourth century. She spoke of the importance of mind games that chess encourages which can enhance academic skills. The Guest of Honour, Mr. Bharat Singh Chauhan, General Secretary DCA and International Chess Player mentioned that chess is the second most popular sport in the world after football. Principal, Mrs. Laly Mathew mentioned that the inter-school chess meet was a part of CBSE's multidimensional expansion in education in which physical education plays a meaningful role.

The tournament successfully culminated on 26 September with the valedictory function held on the ground of K.R. Mangalam World School.

Annual Sports Day at Rukmini Devi Public School, Pitampura, Delhi

Rukmini Devi Public School, Pitampura celebrated annual Junior and Senior Sports Day in the month of November '09. After the inaugural speech by School Principal, Mrs. Anita Garg, the meet was declared open. Students participated enthusiastically in the Three Legged Race and Rabbit Jump Race, 'Partner Race with Ball Sack Race', Skipping Race, Jump Over the Partner Race, Brick Balancing Race with partner, Wheel Barrow Race, Collect the Queen Race, Kangaroo Race, Collect the Ball Race & Shuttle Run'.



Students taking part in the Sack Race Competition at the Annual Sports Day of Rukmini Devi Public School



Students performing the March Past Ceremony at the Annual Sports Day 2009 of Texmaco DPS International School, Indonesia

'String & Beads Race & 100mts. Teachers also participated in 4X50 mts. Relay Race and Matki race.

The Junior Sports Day began with 'March Past' followed by making of Pyramids and saree drill Junior School students participated in different creative races viz Fairy Race, Search the Coin Race, Kangaroo Race, Hurdle Race and many more.

In the Prize Distribution Ceremony, the winners received awards amidst applause.

Texmaco DPS International School, Indonesia Annual Sports Day 2009

Texmaco DPS International School, Indonesia held its Annual Sports Day. The school welcomed the Guest of Honour, Mr. Sungandh Rajaram and Mrs. Prathibha Parkar, Indian Embassy Jakarta. The march past parade was led by platoon commanders of houses. Polychromatic PT displays, one legged race, frog leap, Volley ball and Cricket for parents

were the important events. Prize distribution was carried out to recognize the distinguished performance.

CBSE Kho Kho Tournament at BRSK International Public School Safidon ,Jind (Haryana)

Cluster XIV Kho Kho tournament under 19 Boys and Girls 2009 was held at **BRSK International Public School**, on 19-21 September. The Chief Guest, preached that Kho-Kho initiates the youth to take quick decision. The March past by various participant



Different Teams at the inaugural Ceremony of the Cluster level Kho-Kho Tournament 2009 at BRSK International Public School, Safidon



teams with the individual flags of their schools presented a spectacular scene. The trophies and medals to the winning teams and the Coaches.

Guruvayur Devaswom English Medium School (Kerala)

Guruvayur Devaswom English Medium School run by the management of the Sree Krishna Temple at Guruvayur, Kerala won cluster VI (Kerala state) Champions in kho-kho. The school has been the champions in this event for the last 10 years. The school began its winning spree in the year 2000 and since then it has not lost any match in cluster championships. The team is trained by the school's PET Sri. M. Jayanthan and team manager Sri. P. Radhakrishnan.

DAV International School, Amritsar CBSE CHESS CHAMPIONSHIP 2009

DAV International School, Amritsar organized the CBSE National Chess

Championship 2009 from 12th Nov—15th Nov 2009. It attracted more than 475 players from all over India, Dubai, Kuwait and Musket. There were four groups in Under—14 and Under —19 sections separately for boys and girls.

On the occasion of the Inaugural Ceremony, the school Principal, Mrs. Anjana Gupta extended a hearty welcome to the distinguished Guests. A March Past of the participating teams was held. The players took part in the oath-taking ceremony before the start of the championship.



Students taking part in the CBSE chess championship 2009 organised at DAV International School, Amritsar

Self-assessment is essential for progress as a learner :

for understanding of selves as learners, for an increasingly complex understanding of tasks and learning goals,
and for strategic knowledge of how to go about improving.

Sadler, D. R. 1993. cited in Brookhart, S. M. 2001. Successful Students' Formative and Summative Uses of Assessment Information. Assessment in Education. Vol. 8, No. 2, pp. 153-169.